Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 28-04-2007

Participants : Yadav Shri Devendra Prasad

an>

Title: Alleged ignoring the suggestions made by various political parties in the proposed delimitation of certain constituencies in Bihar.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुन लीजिये। मैं इलैक्शन कमीशन के बारे में नहीं बोल रहा हूं।[s1]

MR. SPEAKER: If it is not within the Central Government's jurisdiction, I will not allow it.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन परिसीमन आयोग पर है। आयोग का जो एक्ट बना है, उस एक्ट की जो मूल मंशा है, उसका ही उल्लंघन हो रहा है। मैं इसलिए कह रहा हूँ कि जो परिसीमन आयोग है, इतनी जल्दबाज़ी में है कि उसमें माइंड एप्लाई नहीं हो रहा है। इसमें कंप्यूटर एप्लाई किया जा रहा है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It has nothing to do with the Central Government.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :गृह मंत्री देख सकते हैं कि कंप्यूटर से क्या किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, आप सुनेंगे तो ताज्जुब होगा। पूरी तरह से जो ड्राफ्ट प्रस्ताव है, उसके लिए 25 मार्च को बैठक हुई। आयोग के सदस्य उसमें बैठते हैं। उसमें कोई विचार नहीं हो रहा है, सिर्फ कंप्यूटर में डाल दिया जाता है और कांस्टीट्यूएंसी को काट-छाँट दिया जाता है। मेरा तो संसदीय क्षेत्र ही समाप्त हो गया। कैसे समाप्त हो गया - कोसी नदी के बाहर एक एसेम्बली कांस्टीट्यूएंसी को तीन प्रमंडल में बांट दिया। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You cannot question it.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : एक प्रमंडल सहरसा में डाल दिया, दूसरा कमला में डाल दिया और तीसरा दरभंगा में डाल दिया। मेरा कहना है कि कोई क्राइटीरिया है या नहीं। सब माननीय सदस्य जानते हैं कि सब क्षेत्रों में यह हालत है। हमारा तो लोक सभा क्षेत्र ही समाप्त हो गया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमारा भी गया।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :आपका केवल नाम समाप्त हुआ है। मेरा तो क्षेत्र ही समाप्त हो गया। झंझारपुर लोक सभा क्षेत्र का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया गया है। कोसी नदी जो 245 किलोमीटर दूर है, जहां नेपाल होकर रास्ता है, भारत होकर रास्ता भी नहीं है, वहां लौकहा विधान सभा क्षेत्र डाल दिया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप तो इतने पॉपुलर हैं कि जहां से खड़े होंगे, जीत जाएंगे।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :यह अजीब स्थिति हो रही है। इस पर यदि विचार नहीं होगा तो सभी माननीय सदस्य बाद में इस प्रश्न को उठाएंगे। मैं शुरू में ही कह रहा हूं चूंकि जो ड्राफ्ट प्रस्ताव आ रहे हैं, उस पर 25 मार्च को विचार हुआ। फिर उस प्रस्ताव को खत्म करके फिर नया ड्राफ्ट ले आते हैं। फिर नया ड्राफ्ट ले आते हैं कंप्यूटर से और परिसीमन आयोग में कहा जाता है कि हमारा माइंड एप्लाइ नहीं हुआ है, यह तो कंप्यूटर वाला प्रस्ताव है। इसलिए हम माइंड एप्लाई करेंगे। कब माइंड एप्लाइ करेंगे? केवल कंप्यूटर एप्लाइ करके यदि होता रहेगा तो ठीक नहीं है। नाम खत्म नहीं हुआ, कांस्टीट्यूएंसी नहीं घटी। बिहार में 40 संसदीय क्षेत्र हैं लेकिन जो जिला है, जो थाना है, दूसरे जिले में भेज दिया गया। दो कांस्टीट्यूएंसी हैं मधुबनी जिले में। एक शकील अहमद साहब की और एक मेरी है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: These matters cannot be decided by this House, cannot be decided by the Government. I am sorry. Nothing more is allowed.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : पूरा जिला हैडक्वार्टर नहीं है एक कांस्टीट्यूएंसी का। ...(व्यवधान)

मैं गृह मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि इस पर ध्यान दें कि इस तरह से यदि डीलिमिटेशन कमीशन काम करेगा, सुधार नहीं करेगा, काम करने की कार्यशैली में माइंड एप्लाइ नहीं करेगा तो यह कंप्यूटर कहां से कहां छोड़ देगा। जो नदी है, नदियों में कोई रास्ता नहीं है। नदियों से उस पार कर दिया गया है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Then, I will go away and I would request you to come here. This is not a matter which is within the jurisdiction of this House.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :न अनुमंडल का ध्यान दिया गया है, न प्रमंडल का ध्यान दिया गया है, न असैम्बली कांस्टीट्यूएंसी का ध्यान दिया गया है। मधुबनी जिले में एक असैम्बली गायब है, एक लोक सभा क्षेत्र झंझारपुर को भी गायब कर दिया गया है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We should know where to stop.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :दो मधुबनी में दे दिया, एक सहरसा में दे दिया। यह क्या हो रहा है? ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing more is allowed.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :इसलिए मैं निवेदन करना चाहता हूं कि गृह मंत्री इस पर ध्यान दें नहीं तो इस डीलिमिटेशन कमीशन से अराजकता की स्थिति पैदा होने वाली है। ...(व्यवधान) *

MR. SPEAKER: Please cooperate. Nothing is being recorded now.

*(Interruptions) ...**

MR. SPEAKER: Shri Shahnawaz Hussain, your matter is a State matter. आप क्या करते हैं? Shri Devendra Prasad Yadav, I do not expect this from you. देवेन्द्र जी, यह सही नहीं है। एक ही बात को कितनी बार कहेंगे?

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :...(व्यवधान) *

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: Then, I will adjourn the House.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Shahnawaz Hussain, your matter is really a State matter.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव **:**मैं कह रहा हूँ कि यह अव्यावहारिक है, प्रैक्टिकल नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या नहीं है? यहां से बैठकर हम क्या तय कर सकते हैं? गृह मंत्री जी को जाकर बोलिये। यह हाउस का मैटर नहीं है।

Shri Shahnawaz Hussain, your matter is a State matter. We should not allow this matter. You know this very well. Please cooperate with me.[R2]